सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 53 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 27 मार्च, 2025
मूल्य ₹ 3/-

पुस्तकें वो साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।
-डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

लखनऊ के लिए कमजोर गेंदबाजी बनीं... 7 | बिहार में युवा जोश, उड़ाएगा राजग... 3 | भाजपा राजनीतिक लाभ के लिए... 2

चुप रहिए, यहां बोलना मना है!

विपक्ष का प्रहार, लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रही एनडीए सरकार

» राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खरगे के साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है

» शिवसेना यूबीटी ने किया राहुल गांधी का समर्थन कहा- हकीकत बोल रहे हैं राहुल गांधी

» विपक्ष को नहीं बोलने दिया जा रहा है : राहुल गांधी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हो या फिर राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खरगे उन्हें सरकार बोलने नहीं दे रही। कभी उनका माइक बंद कर दिया जाता है तो कभी नियमों का हवाला देकर बोलने से मना किया जाता है। यही नहीं यदि वह कुछ बोल दे तो उन्हें रिकार्ड में शामिल नहीं किया जा रहा। इस तरह के ताजा आरोप कांग्रेस साहित दूसरे विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर लगाये हैं।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के ताजा आरोप से देश की राजनीति में सनसनी है। राहुल गांधी ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि बीजेपी रणनीति के तहत उन्हें सदन में बोलने नहीं दे रही। पीएम मोदी बड़े आराम से आते है और बोलकर चले जाते हैं। लेकिन जब भी नेता प्रतिपक्ष की बोलने की बारी आती है तो नियमों का हवाला देकर उन्हें चुप कराने की कोशिश की जाती है। उनका माइक बंद कर दिया जाता है, और उन्होंने यदि कुछ बोल दिया है तो उसे रिकार्ड से निकाल दिया जाता है। राहुल गांधी ने कहा है कि देश में लोकतंत्र खत्म हो रहा है और तानाशाही कल्चर बड़ रहा है। बीजेपी को अपनी आलोचना बर्दश्त नहीं है और वह लोकतंत्र का गला घोटने पर उतारू है।

लोकतंत्र के लिए खतरनाक समय : संजय राउत

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने गुरुवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी को संसद में बोलने की कथित अनुमति न देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की आलोचना की। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए खतरनाक समय करार दिया। एएनआई से बात करते हुए संजय राउत ने कहा, राहुल गांधी लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष हैं। अगर ऐसे नेता को स्पीकर संसद के अंदर बोलने की अनुमति नहीं देते हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक समय नहीं तो और क्या है। अगर आपको विपक्ष को चुप कराना है तो आप संसद क्यों चला रहे हैं? उन्होंने लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, विपक्ष लोकतंत्र की आवाज है। अगर आप उस आवाज को ही चुप करा देंगे, तो एक दिन आप संसद भी बंद कर सकते हैं। यह बयान उस समय आया है, जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया ।

राज्य सभा में यही हो रहा है : प्रमोद तिवारी

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि केवल राहुल गांधी ही नहीं बल्कि किसी भी विपक्षी नेता को बोलने नहीं दिया जा रहा है। ऐसा लगता है कि देश में लोकतंत्र नहीं है। भाजपा तानाशाही पार्टी बन गई है और वे लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते, मैं भाजपा की निंदा करता हूं।

शिवसेना यूबीटी का समर्थन

शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने राहुल गांधी का समर्थन करते हुए कहा है कि राहुल गांधी का बयान आरोप नहीं बल्कि हकीकत है। उन्होंने कहा कि स्पीकर आते हैं, एक स्टेटमेंट पढ़ते हैं और फिर सदन की कार्यवाही स्थगित कर देते हैं। राइट टू रिप्लाई भी कुछ होता है, प्रधानमंत्री तो सदन में अपनी बात रखते हैं, मगर नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया जाता है। बार-बार ये सब किया जाता है और स्पीकर आरोप लगा रहे हैं, वह संवैधानिक पद पर बैठकर भाजपा का नैरेटिव सेट कर रहे हैं। सही मायनों में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है। राहुल गांधी ने जो कहा है, वो कोई आरोप नहीं है बल्कि सच्चाई है। उन्होंने आगे कहा, राज्यसभा में भी कुछ ऐसा ही होता है। मल्लिकार्जुन खड़गे जब कुछ बोलने के लिए उठते हैं तो उनका माइक बंद कर दिया जाता है। मैं पूछना चाहती हूं कि देश में किस तरह का प्रजातंत्र चल रहा है। देश को ये पता होना चाहिए कि यहां क्या चल रहा है।

राहुल को अधिक समझदारी से व्यवहार करना चाहिए : पी. संदोष कुमार

सीपीआई सांसद पी.संदोष कुमार ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर कहा, अगर आप मुझसे व्यक्तिगत रूप से पूछें, तो यह मेरी पार्टी की राय नहीं है। बात यह है कि उन्हें (राहुल गांधी) अधिक ईमानदारी से और लोकतांत्रिक मानदंडों के अनुरूप व्यवहार करना चाहिए। हम उनसे कुछ और की उम्मीद कर रहे हैं। वे विपक्ष के नेता हैं, इसलिए उन्हें अधिक समझदार होना चाहिए।सांसद पी.संदोष कुमार ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर कहा, 5अगर आप मुझसे व्यक्तिगत रूप से पूछें, तो यह मेरी पार्टी की राय नहीं है... बात यह है कि उन्हें (राहुल गांधी) अधिक ईमानदारी से और लोकतांत्रिक मानदंडों के अनुरूप व्यवहार करना चाहिए।

सपा सांसद के घर के सामने हंगामे से सपाइयों का फूटा गुस्सा

» लखनऊ में प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को सपा कार्यकर्ताओं ने अटल चौक पर प्रदर्शन किया। आगरा में सपा सांसद रामजी लाल सुमन के घर के सामने प्रदर्शन को लेकर सपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। सुबह छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष की अगुवाई में कार्यकर्ता एकत्र हुए प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

दलितों का अपमान करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन देख मौके पर पुलिस टीम पहुंची। पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। इसके बाद धरना प्रदर्शन के लिए ईको गार्डन भेज दिया।

आउटगोइंग सीएम की अब कोई सुन नहीं रहा : अखिलेश

सपा मुखिया ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए लिखा कि क्या मुख्यमंत्री का प्रभाव क्षेत्र दिन पर दिन घट रहा है? या फिर आउटगोइंग सीएम की अब कोई सुन नहीं रहा है। अगर वो अभी भी मुख्यमंत्री हैं तो तुरंत कार्रवाई करें। एआई से दोषियों की पहचान करवाकर दंडित करें, नहीं तो मान लिया जाएगा कि पीडीए सांसद के खिलाफ जो हुआ उनकी अनुमति से हुआ।

इससे पहले सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि आगरा में मुख्यमंत्री के उपस्थित रहते हुए पीडीए के एक सांसद के घर पर कुछ लोगों द्वारा तोड़फोड़ की हिंसक वारदात की गई। जब सीएम के मौजूद रहते इसे रोका नहीं जा सका तो फिर जीरो टॉलरेंस तो जीरो होना ही है।

भाजपा राजनीतिक लाभ के लिए इतिहास का इस्तेमाल कर रही है : अखिलेश यादव

बोले- राणा सांगा की वीरता पर नहीं उठाया कोई सवाल खोला सरकार के खिलाफ मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राणा सांगा पर चल रहे विवाद के बीच भाजपा पर हमला बोला है। सपा मुखिया ने कहा भाजपा ने इतिहास के कुछ विषयों को सदैव राजनीतिक लाभ उठाने के लिए और देश को धार्मिक-जातिगत आधार पर विभाजित करने के लिए इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय और समतामूलक समाज की स्थापना में विश्वास करती है। हम कमजोर से कमजोर व्यक्ति को भी सम्मान दिलाना चाहते हैं।

समाजवादी पार्टी मेवाड़ के राजा राणा सांगा की वीरता और राष्ट्रभक्ति पर कोई सवाल नहीं कर रही है। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि हमारे सांसद ने सिर्फ एकपक्षीय लिखे गए इतिहास और एक पक्षीय की गई व्याख्या का उदाहरण देने की कोशिश की है। हमारा कोई भी प्रयास राजपूत समाज या किसी अन्य समाज का अपमान करना नहीं है। आज के समय में इतिहास की घटनाओं की व्याख्या नहीं की जा सकती। अखिलेश यादव ने कहा कि इतिहास की घटनाओं के आधार पर आज की लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं चल सकती। भाजपा सरकार को अपनी भेदकारी नीतियों में सुधारकर जनता के रोजी-रोजगार, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर कुछ ध्यान देना चाहिए।

उन्होने कहा बस्ती के एक विधायक का एक वीडियो देखा, जिसमें वह कह रहे हैं कि इतना भ्रष्टाचार कभी नहीं देखा। लूट मची हुई सरकार में। तहसील और थानों में लूट से आम जनता को परेशानी है।

आठ साल का नारा देने वाली सरकार के सामने कई सवाल हैं। इसीलिए सरकार मीडिया के किसी भी सवाल का जवाब नहीं देना चाहती है। सरकार ने आय दोगुनी करने का आश्वासन दिया था, लेकिन किसी की आय दोगुनी नहीं हुई।

यूपी में महिलाएं सुरक्षित नहीं : डिंपल यादव

मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव ने कहा कि प्रदेश में कोई सुरक्षित नहीं है। अगर हम उत्तर प्रदेश के हालात देखें तो यहां सड़क पर बम फट रहे हैं और महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सांसद रामजी लाल सुमन के साथ जो घटना घटी है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। डिंपल यादव ने दिल्ली में मीडिया से बातचीत में कहा कि उपद्रव के समय शासन-प्रशासन जानबूझकर समय से कदम नहीं उठाते हैं। सरकार के ही इशारे पर यह सब हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा गड़े मुर्दे उखाड़ रही है। इससे उनकी नीति और नीयत दोनों का पता चलता है। बेकारी, महंगाई और शिक्षा की दुर्दशा जैसे ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ही यह सब किया जा रहा है। लाखों-करोड़ो के एमओयू साइन होने का दावा है, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं दिख रहा है। भाजपा लोगों को गुमराह कर रही है।

पहले कभी इतना नहीं हुआ यूपी में भ्रष्टाचार

उत्तर प्रदेश में इतना भ्रष्टाचार कभी नहीं हुआ। इधर, जब सरकार आठ साल पूरे होने पर उपलब्धियां गिना रही है, तो उधर पुलिस अपने ही आईएएस के खिलाफ एफआईआरदर्ज कर रही है। प्रदेश का इतना विकास हुआ है कि आठ साल में विकास ही कट गया है। कन्नौज को भी विकास से काट दिया गया है। अब तो भाजपा के विधायक भी बदलाव की मांग करने लगे हैं।

विधायक किसको चेतावनी दे रहे थे

मुख्यमंत्री को भी अपनी कुर्सी खतरे में दिखाई देने लगी है। एक विधायक तो बिल्कुल दिल्ली के करीब हैं, उन्होंने तो खुलकर कहा है कि अधिकारियों ने मां का दूध पिया हो तो सामने आए। आखिरकार वह विधायक किसको चेतावनी दे रहे थे। एक और विधायक कह रहे हैं कि बाबा जी को अब उत्तर प्रदेश की जरूरत नहीं है, उनको यहां से भेज देना चाहिए।

एक आईएएस अंडरग्राउंड हो गया है

यह देश का पहला इतिहास होगा कि जहां सरकार अपने विकास और उपलब्धि की खुशी मना रही हो, वहीं उनका एक आईएएस अंडरग्राउंड हो गया हो। उन्होंने कहा कि पीतांबरा महामाई से उन्होंने लोक मंगल की कामना की है। इस दौरान वरिष्ठ सपा नेता जयकुमार तिवारी बउआन, विजय द्विवेदी, गुड्डू सक्सेना सक्सेना सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सपा सांसद रामजी लाल सुमन के घर पर करणी सेना ने मचाया उपद्रव

» दो केस हुए दर्ज, पुलिस ने भी कराई एक एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। आगरा में समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के घर पर करणी सेना ने हमला किया। लाठी, डंडों से लैस हमलावरों ने सांसद आवास पर जमकर पथराव किया। शीशे चकनाचूर कर दिए। कुर्सियां और बाहर खड़ीं सांसद सहित कई नेताओं की छह से अधिक गाड़ियों के शीशे तोड़ डाले। पुलिस ने लाठियां भांजकर कुछ हमलावरों को हिरासत में ले लिया।

इस मामले में एक केस सपा सांसद के बेटे रणजीत सुमन की ओर से दर्ज कराया गया है, तो वहीं दूसरा मुकदमा पुलिस ने दर्ज कराया है। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के सदन में राणा सांगा पर दिए गए बयान पर बुधवार को बवाल हो गया।

करणी सेना के सैकड़ों कार्यकर्ता कुबेरपुर से बुलडोजर, गाड़ियों और बाइकों पर सांसद के आवास पर पहुंच गए। पुलिस ने कई जगह रोकने की कोशिश की। लेकिन, वह बैरियर तोड़कर आगे बढ़ते रहे। संजय प्लेस स्थित एडीए के एचआईजी फ्लैट्स स्थित सुमन के आवास पर पहुंचकर कॉलोनी का गेट तोड़ने की कोशिश की। लाठी, डंडों से लैस हमलावरों ने सांसद आवास पर जमकर पथराव किया। शीशे चकनाचूर कर दिए। कुर्सियां और बाहर खड़ीं सांसद सहित कई नेताओं की छह से अधिक गाड़ियों के शीशे तोड़ डाले। पुलिस ने लाठियां भांजकर कुछ हमलावरों को हिरासत में ले लिया।

रणजीत सुमन घर पर ही थे

बताया गया है कि जब ये हमला हुआ तब सांसद के पुत्र पूर्व विधायक रणजीत सुमन घर के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठे हुए थे। रणजीत सुमन ने बताया कि घर में पत्नी और दो बेटे थे। पिता दिल्ली में गए थे। उपद्रवी अचानक आए। वह तोड़फोड़ और पथराव करने लगे। यह देखकर सभी दहशत में आ गए। पुलिस भी उन्हें नहीं रोक पा रही थी। इस वजह से काफी देर तक परिवार सहमा रहा। वह लोग घर के बाहर नहीं आए। उन्होंने खुद को भी किसी तरह बचाया।

पार्टी कैडर को प्राथमिकता देगी बसपा

» मायावती चलाएंगी कई अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने संगठन को एकजुट करने तथा पार्टी का जनाधार बढ़ाने के लिए ओबीसी समाज को जोड़ने की मुहिम चलाने की शुरुआत कर कार्यकर्ताओं को नया संदेश दिया है। बसपा के संस्थापक कांशीराम की तर्ज पर उन्होंने इस बार अपने परिजनों को दरकिनार करते हुए पार्टी कैडर को प्राथमिकता दी है।

जानकारों की मानें तो बसपा द्वारा ओबीसी समाज को जोड़ने के लिए गांव-गांव चलाया जाने वाले अभियान से पार्टी को नई ऊर्जा मिल सकती है। बता दें कि बीते करीब दो साल से बसपा तमाम उठापटक से जूझ रही है। बसपा सुप्रीमो द्वारा आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी बनाने के बाद दो बार हटाने के निर्णय से कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटा, जिसका असर तमाम चुनावों में देखने को मिला। बसपा सुप्रीमो ने पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी और आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ को भी पार्टी से बाहर कर दिया। साथ ही, भविष्य में पार्टी से जुड़े अहम फैसलों में नाते-रिश्तों की परवाह नहीं करने का रास्ता चुना। इसका प्रभाव हालिया ओबीसी समाज की विशेष बैठक में भी देखने को मिला, जिसमें बसपा सुप्रीमो ने केवल पाटी कैडर के समर्पित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को बुलाया और उन्हें अहम जिम्मेदारियां सौंपी। उन्होंने यह भी कहा कि जो पार्टी के प्रति समर्पित होकर कार्य करेगा, भविष्य में उसे ही आगे बढ़ाया जाएगा।

महिलाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत

बसपा ने लंबे अर्से के बाद कोई अभियान शुरू करने की घोषणा की है। दरअसल, पार्टी के कैडर कैंपों के आयोजन के बावजूद जनाधार बढ़ने की जगह कम होता जा रहा था। पार्टी नेता कैडर कैंप आयोजित करके अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे थे। अब गांव-गांव अभियान चलाने से बसपा का बिखरा वोट बैंक फिर से संगठित हो सकता है। इसमें युवाओं को खास तवज्जो दी जाएगी, ताकि नई पीढ़ी को तैयार किया जा सके। बसपा सुप्रीमो ने खासकर महिलाओं को इस अभियान में शामिल करने का निर्देश भी दिया है।

सीएम खुद हैं एक नमूना : अजय राय

» राहुल गांधी पर योगी के बयान को लेकर भड़के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा एक साक्षात्कार में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भड़क उठे। उन्होंने तल्ख अंदाज में सीएम योगी को जवाब दिया है। अजय राय ने कहा कि अगर कोई नमूना है तो वह योगी आदित्यनाथ हैं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि योगी आदित्यनाथ झूठ बोलने में माहिर हैं। सिर्फ हिंदू-मुसलमान के मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस और राहुल गांधी ने हमेशा देश का भला किया है। राहुल गांधी सबसे मजबूत और विद्वान नेता हैं। राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरे देश में जितने भी शिक्षण संस्थान हैं, सभी को कांग्रेस ने बनाया है। उन्नाव की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ नहीं चाहते कि दलित पिछड़े वर्ग के लोग पढ़ें लिखें। वे जानते हैं कि जब लोग पढ़ेंगे तो जाति धर्म के नाम पर भाजपा के छलावे में नहीं आएंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

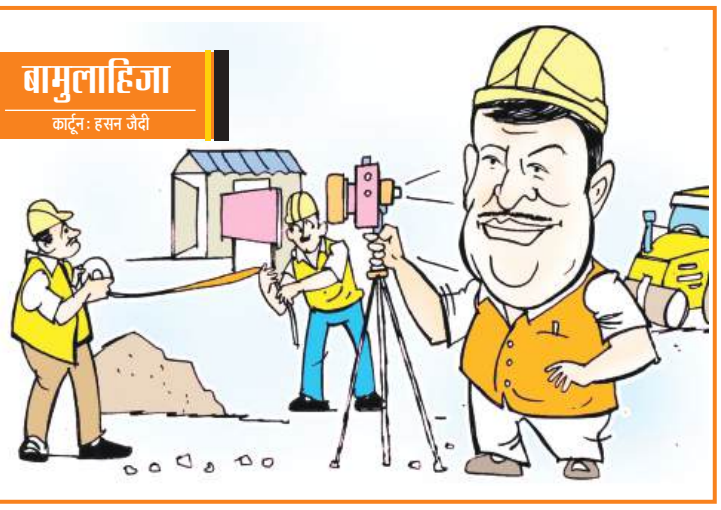

बिहार में युवा जोश, उड़ाएगा राजग का होश

तेजस्वी, चिराग, पीके, कन्हैया व निशांत की बढ़ी महत्वाकांक्षा

- भाजपा व कांग्रेस ने अपने-अपने युवाओं के कद को बढ़ाया
- विस-25 चुनाव पर शुरू हुई सियासी दलों की रणनीति
- नीतीश की उम्र को लेकर विपक्ष व सता पक्ष में वार पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की राजनीति में आजकल नए मुद्दे छा रहे हैं। पहले जिन बातों पर नेता दांव-पेंच खेलते थे, वो अब आने वाले चुनावों में शायद ही दिखे। सबसे ज्यादा चर्चा उम्र को लेकर हो रही है। जहां राजद सीएम नीतीश को मानसकि रोगी बता रहीं है तों कई राजद के खिलाफ भी बोल रहें है। बिहार में युवाओं की पूरी की पूरी जमात सियासत में सक्रिय होती दिखाई दे रहीं है। चाहे वो लालू के बेटे तेजस्वी, राम विलास के पुत्र चिराग हों या जीतन राम के पुत्र, कांग्रेस के कन्हैया और ये फिर प्रशांत किशोर।

कुल मिलाकर बिहार की सियासी माहौल में युवा सजग होकर राज्य की राजग गठबंधन को हटाने की काशिश में लग गए हैं। वहीं आजकल किसकी जुबान फिसली या किसने देश को शर्मिंदा किया, जैसे मुद्दे चुनाव जीतने के तरीके बन गए हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या राजद गलत रास्ते पर जा रही है या तेजस्वी यादव ने एनडीए के कमजोर नब्ज को पकड़ लिया है? बिहार की सियासत में नीतीश कुमार केंद्र में है। तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति पर बार-बार सवाल उठा रहे हैं। ऐसे में विशेष राज्य या विशेष पैकेज जैसे मुद्दे हाशिए पर चले गए हैं। जदयू के प्रवक्ता अभिषेक झा वीडियो का हवाला देकर नीतीश का समर्थन कर रहे हैं।

नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति पर सवाल

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सत्ता से हटाने के लिए उनकी मानसिक स्थिति पर सवाल उठा रहे हैं। वो चाहते हैं कि नीतीश कुमार को जेल हो या उन पर जुर्माना लगे। तेजस्वी का ध्यान अभी सिर्फ इस बात पर है कि नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उनका कहना है कि कुछ अधिकारी ही राज्य चला रहे हैं। राष्ट्रीय गीत के अपमान के मुद्दे को भी उठाया जा रहा है। स्लिप ऑफ टंग (जुबान फिसलना) को मुद्दा बनाया जा रहा है। तेजस्वी विशेष राज्य के दर्जे और विशेष पैकेज की बात नहीं कर रहे हैं। पलायन और बेरोजगारी जैसे मुद्दे भी पीछे छूट गए हैं।

मुस्लिमों को बिहार में जोड़ेगी भाजपा

बिहार चुनाव को फोकस करते हुए भजपा ने एक कार्यक्रम बनाया है। किट में मुस्लिम समाज की महिलाओं और पुरूषों के लिए 500–600 रुपये कीमत का सामान है। इस किट को 32 लाख मुसलमानों के बीच वितरण किया जाएगा। विपक्ष ने सवाल पूछा है कि पीएम मोदी की सौगात सिर्फ मुसलमानों को ही क्यो? दूसरे अन्य त्योहारों मानाने वाले लोगों को इस तरह की किट का वितरण क्यों नहीं किया जा रहा है। ईद के मौके पर जो सौगात-ए-मोदी किट दी जा रही है, उसमें ईद के त्योहार के लिए मुस्लिम परिवारों को किट में सेवाइयां, चीनी, बेसन, सूजी, मेवे और परिवार की एक महिला के लिए कपड़े दिए जा रहे हैं। सिख और ईसाई परिवारों के लिए किट अभी तैयार नहीं हुई है, क्योंकि उनके पर्वों में अभी समय शेष है। उनकी किट में त्योहार के लिए जरूरी चीजों को शामिल किया गया है। सूत्रों के अनुसार, तैयार की गई प्रत्येक किट की कीमत लगभग 500-600 रुपये है। उधर राजद नेता और पूर्व मंत्री चन्द्रशेखर ने इसे ठगी की किट बताया है। राजद नेता और पूर्व मंत्री डॉ. चंद्रशेखर ने ईद के मौके पर दिए जाने वाले सौगाते-ए-मोदी को ठगी किट बताया है। उन्होंने कहा, यह ठगी किट होगा। वे लोग घूस देने में माहिर हैं।

वक्फ संशोधन बिल के विरोध में लालू-तेजस्वी

पटना में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठनों का प्रदर्शन जारी है। मुस्लिम संगठनों के लोग गर्दनीबाग धरनास्थल पर प्रदर्शन कर रहे। इससे राष्ट्रीय जनता दल ने अपना समर्थन दिया। इस प्रदर्शन में राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी पहुंचे और मुस्लिम संगठन के नेताओं के धरने पर बैठ गए। इधर, तेजस्वी यादव

ने मुस्लिम संगठनों के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे नेता लालू प्रसाद यादव आपके साथ खड़े होने के लिए धरनास्थल पर आए हैं। चाहे हमारी पार्टी सत्ता में हो या नहीं। हमलोग इस बिल के विरोध में रहेंगे। विपक्ष ने विधानसभा और विधान परिषद में वक्फ संशोधन बिल का विरोध किया है। हमलोग इस बिल को गैर संवैधानिक और अलोकतांत्रिक मानते हैं। कुछ लोग देश को तोड़ने की साजिश कर रहे हैं, और उनकी पार्टी इस कानून को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

'माई बहिन मान योजना' क्रांतिकारी पहल होगा

सभा में लालू यादव ने तेजस्वी यादव द्वारा प्रस्तावित 'माई बहिन मान योजना' की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान के लिए एक क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि यह योजना जनता के दिलों में उतर चुकी है और अब इसकी गूंज हर गांव-हर टोले तक पहुंचनी चाहिए।

जेडीयू का तेजस्वी पर पलटवार

सत्ता पक्ष भी तेजस्वी यादव पर पलटवार कर रहा है। जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा एक वीडियो के जरिए हमला कर रहे हैं। उनका कहना है कि जो लोग नीतीश कुमार के वीडियो में राष्ट्रीय गीत का अपमान ढूंढ रहे हैं, वो बताएं कि राबड़ी देवी राष्ट्रगीत के दौरान बैठी क्यों रहीं? कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी एक कार्यक्रम में राष्ट्रगान के समय बात करते दिखे। तो ये क्या है? अभिषेक झा आगे कहते हैं कि तेजस्वी यादव ने भी सदन में कहा था कि मुख्यमंत्री को बार-बार 2090 के कार्यकाल

की याद दिलाई जाती है। क्या 2090 के समय कुछ नहीं था? क्या 2005 के बाद ही औरतें कपड़े पहनती दिखीं? क्या ये टंग ऑफ स्लीप नहीं है? सच तो ये है कि जब कोई धाराप्रवाह बोल रहा होता है, तो जुबान किसी की भी फिसल सकती है। लालू यादव ने एक बार तिरंगा उल्टा फहरा दिया था, तो क्या उन्होंने गद्दी छोड़ दी थी?

नीतीश कुमार पर हो रहा उम्र का असर

नीतीश कुमार विकास के मुद्दे, सेक्युलर नीति और सुशासन की धमक के साथ चुनावी सफलता पाते रहे। आज भी वो महिलाओं को लेकर किए गए काम के जरिए आधी आबादी के बीच लोकप्रिय बने हुए हैं। साथ ही, जो उनके

आधार वोट हैं, वो लालू प्रसाद के आधार वोट के साथ हैं। यही वजह है कि राष्ट्रगान के समय जो हुआ, वो अप्रिय तो था ही, पर एक समय आता है जब उम्र का असर दिखने लगता है। और इसे समाज में स्वीकार्यता भी है।

कोई माई का लाल तेजस्वी को सीएम बनने से नहीं रोक सकता : लालू

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने मोतिहारी में एक बड़ा राजनीतिक बयान देकर बिहार की सियासत को गर्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस बार के विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनने से कोई माई का लाल नहीं रोक सकता। उन्होंने यह भी कहा कि सत्ता पक्ष चाहे जितनी भी बातें करे, जनता अब बदलाव चाहती है और वह बदलाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आएगा। राजद सुप्रीमो मोतिहारी के कल्याणपुर से विधायक मनोज कुमार यादव के पिता दिवंगत कामरेड यमुना यादव की पुण्यतिथि पर आयोजित

कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कोटवा प्रखंड के जसौली जमुनिया गांव पहुंचे थे। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उन्होंने करीब आठ मिनट तक लोगों को संबोधित किया। अपने चिर-परिचित भोजपुरी अंदाज में लालू यादव ने लोगों से अपील की कि वे गांव-गांव जाकर तेजस्वी यादव की योजनाओं का प्रचार करें और महागठबंधन के प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताएं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता हो

न्याय-व्यवस्था जिसके द्वारा न्यायपालिकाएं अपने कार्य-संचालन करती है वह अत्यंत महंगी, अतिविलंबकारी और अप्रत्याशित निर्णय देने वाली है। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है।'

कुछ समय में देखने को मिल रहा है कि न्यायपालिका में कई फैसलों में जजों के बीच में विरोधाभास हो रहा है। कभी-कभी हाईकोर्ट के फैसलों से नाराजगी दिखाकर सुप्रीमकोर्ट उसके फैसलों को पलट देता है। जैसे अभी हाल में इलाहाबाद हाईकोर्ट के पोक्सो एक्ट से जुड़े एक मामले में कहा था कि किसी बालिका के सीने व नाड़े को छूना दुराचार का मामला नहीं है। पर इस टिप्पणी बड़ी अदालत ने खारिज कर दिया जो समाज के लिए एक अच्छी बात होगी। भारत की न्याय प्रणाली विसंगतियों एवं विषमताओं से घिरी है। न्याय-व्यवस्था जिसके द्वारा न्यायपालिकाएं अपने कार्य-संचालन करती है वह अत्यंत महंगी, अतिविलंबकारी और अप्रत्याशित निर्णय देने वाली है। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है।'

एक ही प्रकृति के मामलों में अलग-अलग फैसले आना, कुछ न्यायाधीश कभी-कभी व्यक्तिगत पसंद के आधार पर मामलों को चुनते देखे जाते हैं, कुछ वकीलों को केस असाइनमेंट और सुनवाई के समय के मामले में तरजीह दी जाना, आंशिक सुनवाई के मामलों की प्रथा आदि भारतीय न्यायिक व्यवस्था में विद्यमान चुनौतियों एवं विसंगतियों को दूर करने के लिये न्याय प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन की अपेक्षा है। हाल ही में यह बात सामने आई है कि एक मौजूदा न्यायाधीश के आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी पाई गई। इस तरह की घटना, किसी भी चल रही जांच के बावजूद, न्यायपालिका की ईमानदारी और निष्पक्षता पर एक बदनुमा दाग है। न्यायपालिका ईमानदारी, निष्पक्षता और कानून के समक्ष समान व्यवहार के मूल्यों पर आधारित लोकतंत्र के चार स्तंभों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्तंभ है। न्यायालयों की ईमानदारी में जनता और कानूनी समुदाय का विश्वास बहाल करने के उद्देश्य से कानून में क्रांतिकारी बदलाव की अपेक्षा है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना भारत के सर्वोच्च न्यायालय के 51वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में इसके लिये तत्पर है और वे न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं, उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दे रहे हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देने लगी है। स्वल्प समय में ही सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में वे कई महत्त्वपूर्ण फैसलों के कारण चर्चा में हैं। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उन्होंने देश की न्यायपालिका के आमूल-चूल स्वरूप में परिवर्तन पर खुलकर जो विचार रखे हैं, वे साहसिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े होने के साथ आम लोगों की धारणा से मेल खाते हैं। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पॉक्सो एक्ट और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल

डॉ. सुधीर कुमार

बीते दिनों इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा सुनाया गया एक फैसला महिलाओं की सुरक्षा के संबंध में एक गंभीर बहस का केंद्र बन गया है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब देश में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ रही है। इसके प्रति कानूनी समुदाय व नागरिक समाज में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र ने कासगंज जिले के एक मामले में कहा कि किसी महिला के स्तनों को पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करना बलात्कार या बलात्कार के प्रयास की श्रेणी में नहीं आता है। यह फैसला पॉक्सो एक्ट के तहत 11 साल की पीड़िता से जुड़े मामले में सुनाया गया था। न्यायाधीश ने बलात्कार के प्रयास के आरोप को खारिज करते हुए, इसे भारतीय दंड संहिता की धारा 354-बी के तहत वस्त्र उतारने के इरादे से हमला और पॉक्सो एक्ट की धारा 9/10 के तहत गंभीर यौन हमला माना। न्यायालय का मानना है कि इस मामले में किए गए कृत्य बलात्कार के प्रयास की कानूनी परिभाषा को पूरी तरह से संतुष्ट नहीं करते हैं, लेकिन गंभीर यौन हमले की श्रेणी में आते हैं।

इस निर्णय के कानूनी विश्लेषण पर विचार करें तो, यह स्पष्ट होता है कि न्यायालय ने अपराध की तैयारी और वास्तविक प्रयास के बीच स्थापित कानूनी सिद्धांत का पालन करने का प्रयास किया है। भारतीय दंड संहिता के तहत, किसी भी अपराध के लिए केवल 'प्रयास' ही दंडनीय है, जबकि केवल 'तैयारी' को अपराध नहीं माना जाता है। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 9/10 के तहत 'गंभीर यौन हमला' के अपराध को बरकरार रखा है, जो यह दर्शाता है कि न्यायालय ने कथित अपराध की गंभीरता को पूरी तरह से अनदेखा नहीं किया है। कुछ कानूनी विशेषज्ञ यह तर्क दे सकते हैं कि न्यायालय का कर्तव्य कानून को उसके अक्षरों के अनुसार लागू करना है, भले ही इसके सामाजिक परिणाम विवादास्पद क्यों न हों।

उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय ने पहले के कई निर्णयों में यौन इरादे से किसी नाबालिग के अंगों को छूने को भी यौन हमला माना है। 19 नवंबर, 2021 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में बॉम्बे हाईकोर्ट के नागपुर पीठ के एक फैसले को पलटते हुए यह स्पष्ट रूप से कहा गया था कि किसी नाबालिग के यौन अंगों को छूना या यौन इरादे से शारीरिक संपर्क से जुड़ा कोई भी कृत्य

पॉक्सो एक्ट की धारा 7 के तहत यौन हमला माना जाएगा, जिसमें इरादे को प्रमुखता दी गई थी। । इस फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने 'स्किन से स्किन' संपर्क की आवश्यकता से अधिक यौन इरादे को महत्व दिया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय का वर्तमान निर्णय इस पूर्ववर्ती फैसले से स्पष्ट रूप से भिन्न प्रतीत होता है। मध्य प्रदेश सरकार बनाम महेंद्र उर्फ गोलू के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने बलात्कार के प्रयास के आरोपी की दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए 'तैयारी' और 'प्रयास' के बीच का अंतर समझाया था, जिसमें यह माना गया था कि अभियुक्त के कृत्य 'तैयारी' से आगे बढ़कर अपराध के निकट थे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय का निर्णय इस व्याख्या से भी कुछ हद तक भिन्न प्रतीत होता है। इस अदालती निर्णय का मौजूदा कानूनों पर संभावित प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। पॉक्सो एक्ट के संदर्भ में, इस निर्णय से बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने के अधिनियम के मूल उद्देश्य पर ही सवाल उठ सकते हैं। यदि इस प्रकार के कृत्यों को बलात्कार के प्रयास के रूप में नहीं माना जाता है, तो यह कानून के प्रभावी कार्यान्वयन को कमजोर कर सकता है। इसी प्रकार, यह निर्णय आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार) और धारा 354 (शील भंग करने के इरादे से हमला) के बीच की रेखा को भी धुंधला कर सकता है, खासकर जब यौन उत्पीड़न की गंभीरता का आकलन किया जा रहा हो, परिणामस्वरूप पॉक्सो एक्ट के तहत यौन अपराधों की एक संकुचित व्याख्या हो सकती है, जिससे बच्चों की सुरक्षा का कानूनी ढांचा कमजोर हो सकता है। इस न्यायिक फैसले के सामाजिक-राजनीतिक परिणाम व्यापक हो सकते हैं। इससे समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति गलत संदेश जा सकता है, जिससे यौन अपराधों को गंभीरता से न लेने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है।

इससे महिला अधिकार कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज समूहों के विरोध के सुर मजबूत हो सकते हैं। राजनीतिक स्तर पर, मौजूदा कानूनों में संशोधन या नए कानून बनाने की मांग उठ सकती है, ताकि कानूनी अस्पष्टताओं को दूर किया जा सके और महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। सार्वजनिक विमर्श में मांग उठी है कि सर्वोच्च न्यायालय को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि कानूनी स्पष्टता बनी रहे और महिलाओं तथा बच्चों के अधिकारों की प्रभावी ढंग से रक्षा की जा सके।

प्रतिस्पर्धात्मक शैक्षणिक संस्कृति में छिपे तनाव पहचानें

अविजित पाठक

हाल ही में, आईआईटी कानपुर ने 'द आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' के साथ मिलकर एक 'भलाई कार्यक्रम' शुरू किया है। रिपोर्ट के अनुसार, फाउंडेशन ने श्वास क्रिया, ध्यान और माईंडफुलनेस अर्थात 'संचेतना' (आसपास की घटनाओं के प्रति सजग रहते हुए इनमें बहने से बचना) सहित विशेषज्ञ सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित करने पर सहमति जताई है। इसका उद्देश्य है युवा छात्रों की 'मानसिक सहनशक्ति एवं तनाव प्रबंधन क्षमताओं' को बेहतर बनाना। समझा जा सकता है कि आईआईटी के अधिकारी अपने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर इतने चिंतित क्यों हैं। दरअसल, हाल ही में सूचना के अधिकार से मिली एक जानकारी से पता चला है कि पिछले पांच सालों में 37 विद्यार्थियों ने खुदकशी है, जिसमें 11 छात्र आईआईटी के थे। इसलिए, कोई हैरानी नहीं कि आईआईटी गुवाहाटी ने भी 'नैदानिक अभ्यासों' की एक श्रृंखला चलाने की घोषणा की है - मसलन,परामर्श सत्र, संकाय सदस्यों के साथ सुबह की सैर और 'तनाव से मुक्ति' कार्यशालाएं।

हालांकि,भारत में समकालीन शैक्षिक परिदृश्य के एक पर्यवेक्षक के रूप में, मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि अलग-अलग परामर्श सत्र, श्वास क्रिया और संचेतना अभ्यासों का ऐसा कोई समुच्चय इन युवाओं की बढ़ती दिमागी, मानसिक चिंताओं और अस्तित्वगत पीड़ा से निपटने के लिए अपर्याप्त होगा, जो पहले ही अत्यंत-प्रतिस्पर्धात्मक और सामाजिक डार्विनवाद जनित जीवन-हंता वायरस से बनी मारक 'रण भूमि' में फंसे हुए हैं। समस्या केवल किसी के 'आहत' हुए स्व: की नहीं है,समस्या समाज की पूरी संरचना है- जिसमें संसाधनों की कमी और असमानता है या फिर किसी की योग्यता केवल प्राप्त किए गए बढ़िया नंबरों से आंकने वाली विचारधारा बनकर रह गई है। उस चूहा-दौड़ में शामिल होना,जिसे तकनीकी-पूंजीपति 'सफलता' का प्रारूप ठहराते हैं। आप अपने 'अशांत' स्व: को बाकी समाज के ताने-बाने से अलग नहीं कर सकते।

तीन कारणों के बारे में सोचें कि मानसिक तनाव या अकेलापन आईआईटी के माहौल में अंतर्निहित क्यों है। वास्तव में आप महसूस करेंगे कि किसी भी आईआईटी में प्रवेश पाने की प्रक्रिया ही स्वाभाविक रूप से तनावपूर्ण है। यह किसी महान शिक्षक के साथ चलकर सीखने जैसा न होकर विज्ञान और गणित की गूढ़ता को बनावटी बौद्धिक उत्साह और जिज्ञासा के साथ तलाशने जैसा है। इतना ही नहीं, कोचिंग सेंटरों के अत्याचार से लेकर, कभी न खत्म होने वाले अभ्यास परीक्षा तक की इस यात्रा में कोई रचनात्मक उत्साह या खुशी नहीं है। 'भाग्यशाली' छात्र जब तक बाधाओं से पार पाते हैं - जेईई मुख्य परीक्षा से लेकर जेईई एडवांस उत्तीर्ण करने तक-तब तक उनमें से कई मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक तौर से दरिद्र हो चुके होते हैं। दूसरा, यह मानना गलत है कि जब कोई आईआईटी में भर्ती पा लेता है तो उसकी जिंदगी वास्तव में भरपूर बन जाती है, और सब कुछ गुलाबी-गुलाबी हो जाता है। अतिशयी-प्रतिस्पर्धात्मक शैक्षणिक संस्कृति में छिपे तनावों का कोई अंत नहीं है। अच्छा ग्रेड पाने की लालसा, बाजार मांग के अनुरूप लगातार बदलते 'कौशल' सीखते रहने का दबाव, और अंतिम नियति को लेकर निरंतर चिंता- जैसे कि, बढ़िया जगह पर नौकरी और वेतन पैकेज। ये सब एक ऐसा सामाजिक माहौल बना देते हैं, जिसमें कोई सच्चा दोस्त नहीं, कोई रचनात्मक उत्साह नहीं होता। हर कोई एक एकाकी व अहंकारी योद्धा भर है!

और तीसरा, चूंकि हमारे समाज में आईआईटी में दाखिला पाने का कुछ ज्यादा ही महिमामंडन किया जाता है, जिसकी कीमत में, हमारे अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालयों का व्यवस्थित रूप से अवमूल्यन हो रहा है। इसलिए आईआईटी विद्यार्थी के लिए लोगों की नजरों में चढ़ने से बचना बहुत मुश्किल बन जाता है। हम आईआईटी में पढ़ने वाले को एक मिथकीय उत्पाद के रूप में देखना शुरू कर देते हैं- एक अत्यंत-बुद्धिमान प्रौद्योगिकीविद्, वह जो सब कुछ हासिल कर ले, जिसकी 'सफलता' को हम मिथक बनाना पसंद करते हैं। एक आकर्षक नौकरी, किसी तकनीकी-कॉर्पोरेट उद्यम में एक उच्च पद, लगातार विदेश यात्राएं और निरंतर सामाजिक/आर्थिक गतिशीलता! वास्तव में, हमारा समाज पागलों की तरह 'सफलता की कहानियों' से ग्रस्त है।

इसकी वजह से अगर आप एक 'आईआईटी वाले' हैं, तो इस बात की संभावना बहुत कम है कि लोगबाग-आपके माता-पिता सहित - आपको सिर्फ एक इंसान के रूप में देखेंगे। आपको लगातार अपने 'अलौकिक' गुणों को साबित करते रहना पड़ेगा। ऐसा लगता है मानो आपका 'आम होना' ही आपका गुनाह है! वास्तव में, यह असंभव अपेक्षा उनमें से कईयों को अमानवीय अवगुण से भर देती है। निस्संदेह, यदि हम इन मुद्दों पर विचार कर हल नहीं निकालते तो हम इन एकाकी व तनावग्रस्त युवा प्रतियोगियों के अंदर केवल ध्यान, श्वास क्रिया और संचेतना अभ्यास करवाकर विवेक पैदा नहीं करवा सकते। भले ही यह किसी प्रकार का अस्थायी राहत देने वाला हो -फील गुड की क्षणिक अवस्था उनके जीवन-पथ में कोई मौलिक परिवर्तन लाने की संभावना नहीं रखती। हालांकि, तात्पर्य यह नहीं है कि संचेतना अभ्यास कोई मायने नहीं रखता। निस्संदेह, अतीत की चोटों और भविष्य की चिंता से विचलित हुए बिना, वर्तमान क्षण में गहराई से और तीव्रता से जीने की क्षमता ही एक बड़ी ध्यान कला है।

भगवान बुद्ध के हैं ये प्रमुख मंदिर

भारत में भगवान बुद्ध के मंदिरों और स्तूपों की प्रमुखता बौद्ध धर्म के इतिहास और संस्कृतियों को दर्शाती है। इन स्थलों पर जाकर न केवल धार्मिक अनुभव प्राप्त किया जा सकता है, बल्कि यह स्थल बौद्ध कला, वास्तुकला और इतिहास के भी अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। गौतम बुद्ध का जन्म नेपाल के लुम्बिनी में इक्ष्वाकु वंश के क्षत्रिय राजा शुद्धोधन के घर 563 ईसा पूर्व में हुआ था। इनकी माता जी का नाम महामाया था। इनके जन्म के महज 7 दिनों बाद इनकी माता जी पंचतत्व में विलीन हो गई थी। इसके बाद बुद्ध का पालन पोषण इनकी मौसी जी महाप्रजापती गौतमी ने किया। गौतम बुद्ध बाल्यावस्था से ही अध्यात्म प्रवृति के व्यक्ति थे। इस वजह से 30 वर्ष की आयु में गौतम बुद्ध सन्यासी बन गए। वर्षों की तपस्या के बाद गौतम बुद्ध को बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई। तभी से लोग उन्हें भगवान् बुद्ध कहकर पुकारने लगे। वे 80 वर्ष की उम्र में दुनिया को कुशीनगर में अलविदा कह गए थे।

सारनाथ मंदिर, उत्तर प्रदेश

सारनाथ वह स्थान है जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था। ये स्थल बौद्ध धर्म के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान है। यहां धमेक स्तूप है, जो भगवान बुद्ध के पहले उपदेश का प्रतीक है। इसके अलावा सारनाथ संग्रहालय में भगवान बुद्ध से जुड़े प्राचीन अवशेष हैं। इसका इतिहास 2,500 वर्ष से भी अधिक पुराना है। यह प्राचीन काल में शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र और बौद्ध भिक्षुओं के लिए एक प्रसिद्ध गंतव्य था। शासक सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को बढ़ावा देने और सारनाथ में विभिन्न इमारतों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महाबोधि मंदिर, बिहार

भगवान बुद्ध का ये मंदिर उस स्थान पर स्थित है, जहां भगवान बुद्ध ने बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया था। यूनेस्को द्वारा यह स्थल विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है। ये बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए सबसे पवित्र स्थल है। यहां एक बोधि वृक्ष है, जिसे बुद्ध के ज्ञान की प्राप्ति से जोड़ा जाता है। इसके साथ-साथ यहां वज्रासन है, जहां भगवान बुद्ध ने ध्यान किया था। यह ऐतिहासिक मंदिर बौद्ध सर्किट मानव कल्याण की दिशा में भगवान बुद्ध के कार्यों की निशानी है। देश विदेश के लोग यहां हर साल आते हैं। यह पावन स्थल दुनिया भर के बौद्ध तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित करता है। यह गंगा नदी के मैदानी भाग में स्थित है। मंदिर के गर्भगृह में बुद्ध की सोने की प्रतिमा लगी हुई है।

सांची स्तूप, मप्र

ये स्तूप बौद्ध धर्म के विकास और प्रसार का गवाह है। सांची स्तूप सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए स्तूपों में से एक है, जो बौद्ध धर्म का प्रमुख प्रतीक है। यहां तोरण द्वार है, जो बुद्ध के जीवन और उपदेशों को चित्रित करता है। सांचू स्तूप की शानदार नक्काशी और मूर्तियां, जो बौद्ध संस्कृति और कला का प्रतिनिधित्व करती हैं। ये जगह भी यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

धौली गिरि स्तूप, ओडिशा

धौली गिरि स्तूप वह स्थान है जहां सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद बौद्ध धर्म अपनाया था। ऐसे में ये स्थल अशोक के जीवन के महत्वपूर्ण मोड़ को दर्शाता है। यहां देखने को शांति स्तूप है, जो जापानी शैली में बना है और शांति का प्रतीक है। इसके अलावा यहां अशोक के शिलालेख, जो बौद्ध धर्म के प्रचार के बारे में बताते हैं। यह सूबा टूरिज्म के लिहाज से बेहद समृद्ध है। धौली गिरि हिल्स ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से महज 8 किमी की दूरी पर है। यह एक पहाड़ी की चोटी पर है। यह हिल स्टेशन दया नदी के किनारे है। बड़ी तादाद में टूरिस्ट इस जगह को देखने के लिए आते हैं। यह हिल्स इगतपुर, बसंतपुर और गोवर्धनपुर जैसे प्रमुख शहरों के नजदीक है। धौली गिरि हिल्स में आप शांति और सुकून के बीच पिकनिक मना सकते हैं।

हंसना मना है

बेटा- पापा आप रात को मम्मी के साथ क्यूं सोते हो? पापा- बेटा इससे आपस में प्यार बढ़ता है, बेटा- पापा उल्लू मत बनाओ, साथ सोने से प्यार नहीं परिवार बढ़ता है।

2 दोस्त सालों के बाद मिले, पता चला दोनों कि शादी हो गयी, पहला दोस्त-कैसी है तुम्हारी वाईफ? दूसरा दोस्त- स्वर्ग की अप्सरा है, और तेरी? पहला दोस्त- मेरी तो अभी जिंदा है!

टीचर- इतने दिन से कहा थें? लड़का- बर्ड फ्लू हुआ था, टीचर-पर ये तो बर्ड्स को होता है? लड़का- आपने मुझे इंसान समझा ही कहां है, रोज तो मुर्गा बना देती हो।

एक बार भगवान् ने एक आदमी से सवाल किया। तेरी ईच्छा क्या है। आदमी बोला- प्लीज मुझे मेरे कॉलेज के दिन वापस दे दो। भगवान हसने लगे और कहा - मन्नत मांगने को कहा था जन्नत नहीं!

आदमी- सर, मेरी वाइफ घूम गई है, पोस्टमन- यह पोस्ट ऑफिस है, पुलिस स्टेशन नहीं, आदमी- ओह सॉरी ! साला खुशी के मारे कहां जाऊं, कुछ समझ में नहीं आ रहा!

लड़कियों को गाली मत दो, बस एक वर्ड काफी है, जो गाली से ज्यादा असर कर देगा.. और वो है, आंटी जी।

कहानी — दो सांप

एक नगर में देवशक्ति नामक राजा रहा करता था। उसके पुत्र के पेट में एक सांप ने अपना डेरा जमा लिया था। यह देख राजा ने कई प्रसिद्ध वैद से उसका उपचार कराया, लेकिन स्वास्थ्य में सुधार नजर नहीं आ रहा था। एक दिन राजकुमार अपने राज्य से दूर दूसरे राज्य में चला गया और मंदिर में भिखारी की तरह रहने लगा। राजकुमार जिस राज्य में गया था, वहां बलि नामक राजा राज करता था। उसकी दो जवान बेटियां थीं। दोनों रोज सुबह अपने पिता का आशीर्वाद लेने जाती थीं। एक सुबह दोनों में एक बेटी ने राजा को प्रणाम करते हुए कहा महाराज की जय हो, आपकी कृपा से ही संसार में सब सुखी हैं। वहीं दूसरी बेटी ने कहा महाराजा, ईश्वर आपको आपके कर्मों का फल दे। यह सुनकर राजा क्रोधित हो जाता है और मंत्रियों को आदेश देता है कठोर शब्द बोलने वाली इस लड़की की शादी किसी गरीब लड़के के साथ कर दो, ताकि ये अपने कर्मों का फल स्वयं चख ले। राजा के आदेश के चलते मंत्री मंदिर के पास बैठे भिखारी से उसकी शादी कर देते हैं। वह भिखारी वही राजकुमार था, जिसके पेट में सांप थे। राजकुमारी उसे ही अपना पति मानकर सेवा करने लगती है। कुछ दिन बाद दोनों मंदिर छोड़कर दूसरे देश की यात्रा पर निकल जाते हैं, रास्ते में राजकुमार थक जाता है और एक पेड़ के नीचे विश्राम करने लगता है। राजकुमारी पास के गांव से भोजन लाने के लिए चली जाती है। जब वह वापस आती है, तो सोए हुए पति के मुंह से एक सांप को निकलते देखती है। साथ ही पास के एक बिल से भी सांप निकलता है। दोनों सांप बात करने लगते हैं, जिसे छिपकर राजकुमारी सुन लेती है। एक सांप कहता है तुम इस राजकुमार के पेट में रहकर इसे तकलीफ क्यों दे रहे हो। साथ ही तुम खुद के जीवन को भी खतरे में डाल रहे हो। अगर किसी ने राजकुमार को जीरा और सरसों का सूप पिला दिया, तो तुम्हारी मृत्यु हो जाएगी। फिर राजकुमार के मुंह से निकला सांप कहता है तुम इस बिल में रखे सोने के घड़ों की रक्षा क्यों करते हैं, जो तुम्हारे किसी काम के नहीं हैं। अगर किसी को इन घड़ों के बारे में पता चल गया, तो वो बिल में गर्म पानी या गर्म तेल डालकर तुम्हारी जान ले लेगा। थोड़ी देर बाद दोनों सांप अपनी-अपनी जगह वापस चले जाते हैं, लेकिन राजकुमारी दोनों सांपों के रहस्य को जान चुकी थी। इसलिए, राजकुमारी पहले राजकुमार को भोजन के साथ जीरा और सरसों का सूप पिला देती है। फिर उसके बाद बिल में गर्म पानी और तेल डाल देती है, जिससे दूसरे सांप की भी मृत्यु हो जाती है। इसके बाद बिल में रखे सोने से भरे घड़े को बाहर निकालकर दोनों अपने शहर लौट जाते हैं। राजा देवशक्ति अपने बेटे और उसकी पत्नी का धूमधाम से स्वागत करता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

वृषभ

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें।

मिथुन

घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

कर्क

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या

बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा।

तुला

सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। झंझटों में न पड़ें।

वृश्चिक

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु

यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। नए मित्र बनेंगे।

मकर

अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। सेहत को प्राथमिकता दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ

मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

मीन

घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

अक्षय, जॉन और शाहरुख को इफ्तार पार्टी में बुलाना चाहती हूं : सादिया

जॉन अब्राहम की फिल्म द डिप्लोमेट सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पा रही है, लेकिन फिल्म की हीरोइन सादिया खातीब ने अपने एक्टिंग से सबका दिल जीत लिया है। एक्ट्रेस ने इफ्तार पार्टी के लिए मेहमानों की लिस्ट बनाई है, इसमें अक्षय कुमार, जॉन अब्राहम और शाहरुख खान का भी नाम है। सादिया ने एक इंटरव्यू में बताया है कि आखिर क्यों वो इन सुपरस्टार को अपने इफ्तार पार्टी में बुलाना चाहती हैं। एक्ट्रेस सादिया कहती हैं, मैं अक्षय सर, जॉन सर और शाहरुख खान सर को अपने इफ्तार पार्टी में इनवाइट करूंगी। फिर वो मजाकिया अंदाज में कहती हैं, मैं इनवाइट तो करूंगी पर वो ज्यादा खाएंगे नहीं और मुझे ही सब कुछ खाना पड़ेगा। क्योंकि वो ज्यादा खाना पसंद नहीं करते। उसके बाद वो शाहरुख खान के बारे में कहती हैं, जहां तक मैंने सुना है वो खाने के शौकीन हैं। ऐसा मैंने न्यूज में पढ़ा था। मैं श्योर तो नहीं हूं लेकिन उन्हें पेप्सी या कोक पसंद हैं। सादिया से जब पूछा गया कि आखिर आप इन सुपरस्टार को क्यों इनवाइट करना चाहती हैं। तब एक्ट्रेस बड़ा ही प्यारा जवाब देती हैं। वो कहती हैं कि ये लोग बड़े ही कूल हैं। इनके साथ बैठ कर मौज-मस्ती की जा सकती है, उस पल को जिया जा सकता है, बाते की जा सकती हैं। एक्ट्रेस शाहरुख खान के बारे में कहती हैं, शाहरुख सर को पूरा देश पसंद करता है। मैं उनसे मिलकर जानना चाहती हूं कि आखिर लोग उनको लेकर इतना फैसिनेटेड क्यों हैं? मैंने सुना है कि जब आप उनसे एक बार मिल लेते हैं तो आपको इस सवाल का जवाब मिल जाता है। अंत में एक्ट्रेस बड़े प्यार से सुपरस्टार को मैसेज भेजते हुए कहती हैं, शाहरुख सर, क्या आप सुन रहे हो? मुझे आपके साथ लंच करना अच्छा लगेगा। सादिया खातीब की इफ्तार के मेहमानों लिस्ट सच में काफी इनटरेस्टिंग है। खुदा करे उनका ये सपना हकीकत में बदल जाए। बॉलीवुड एक्ट्रेस सादिया ने फिल्म शिकारा : ए लव लेटर फ्रॉम कश्मीर से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद वो अक्षय कुमार की फिल्म रक्षा बंधन में नजर आई थीं. अब वो जॉन अब्राहम की फिल्म द डिप्लोमैट में उजमा अहमद नाम की लड़की का किरदार में हैं।

खत्म नहीं हुआ बाबा निराला का खेल, इसी साल आयेगी आश्रम-4

बॉबी देओल के लिए फिल्म एनिमल से पहले प्रकाश झा की वेब सीरीज आश्रम ने उनकी किस्मत बदल दी थी। इस शो में वे काशीपुर वाले बाबा निराला का किरदार निभाते हैं, जो एक दुष्ट बाबा है लेकिन बाहर से संत जैसा दिखता है। अब तक एमएक्स प्लेयर पर इस शो के तीन सीजन आ चुके हैं और लोग चौथे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आश्रम के अगले सीजन की रिलीज को लेकर काफी चर्चाएं हो रही हैं, लेकिन अभी तक मेकर्स ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। अब चंदन रॉय सान्याल ने आश्रम के सीजन 4 को लेकर जानकारी शेयर की है। चंदन रॉय सान्याल वेब सीरीज में बाबा के खास सहायक भोपा स्वामी का रोल निभाते हैं। चंदन रॉय सान्याल ने अंग्रेजी वेबसाइट बॉलीवुड हंगामा से खास बातचीत में कहा, हर कोई एक ही सवाल पूछ रहा है। मुझे लगता है कि यह इस साल आ जाना चाहिए। तैयारी पूरी है। शूटिंग के कुछ हिस्से बाकी हैं और स्क्रिप्ट पर भी काम चल रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि जहां भी वे जाते हैं, लोग उन्हें शो की तरह जपनाम कहकर बुलाते हैं। चंदन ने कहा, एयरपोर्ट हो या रेस्तरां, बहुत सारे लोग ऐसा कहते हैं। आश्रम ऐसी वेब सीरीज है जो हर तरह के दर्शकों तक पहुंची है। चाहे ऑटो-रिक्शा ड्राइवर हो, बस ड्राइवर, सीआरपीएफ गार्ड, एयरपोर्ट का सिक्योरिटी गार्ड, एयर होस्टेस या मुंबई के नानावटी हॉस्पिटल का बड़ा सर्जन सभी जपनाम कर रहे हैं। प्रकाश जी ने इसे इतने शानदार तरीके से बनाया है कि यह हर जगह पहुंच गया है।

श्रद्धा कपूर के पोस्ट से परेशान हुए फैंस

श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपनी लाइफ से जुड़ी बातें और चीजें अपने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इसीलिए फैंस को श्रद्धा के पोस्ट का काफी इंतजार भी रहता है। लेकिन अब श्रद्धा कपूर ने अपने एक्स अकाउंट से एक ऐसा पोस्ट किया है, जिसने सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा है। क्योंकि फैंस श्रद्धा के इस पोस्ट का मतलब नहीं समझ पा रहे हैं।

श्रद्धा कपूर ने ये ट्वीट मंगलवार को लगभग रात साढ़े दस बजे के करीब किया है। अपने इस ट्वीट या पोस्ट में श्रद्धा ने सिर्फ इतना लिखा है, Eas4 28. GG! श्रद्धा के इस पोस्ट के बाद अब फैंस ये समझ नहीं पा रहे हैं कि श्रद्धा ने ये क्या लिखा है और क्यों लिखा है।

श्रद्धा के इस पोस्ट के बाद अब फैंस अपने अलग-अलग कयास लगा रहे हैं। कुछ फैंस का कहना है कि श्रद्धा का अकाउंट हैक हो गया है, तो वहीं कुछ ये नहीं समझ पा रहे हैं कि ये कोई पीआर स्टंट है या श्रद्धा ने किसी गेम में कोई 28 डॉलर जीते हैं। फिलहाल तो श्रद्धा का ये पोस्ट अभी भी एक रहस्य ही बना हुआ है। वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रद्धा कपूर आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'स्त्री 2' में नजर आई थीं। ये फिल्म दिनेश विजन और अमर कौशिक के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा थी। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर के साथ राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुर्राना भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था और फिल्म ने कमाई में नए रिकॉर्ड स्थापित किए थे। इसके अलावा श्रद्धा अपनी आगामी फिल्म 'नागिन' को लेकर भी लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस फिल्म को निखिल आडवाणी द्विवेदी कर रहे हैं।

अजब-गजब | यहां फ्री में रहने के लिए माननी होगी एक छोटी सी शर्त

बसने लिए बुला रही है यहां की सरकार रहने के लिए मिलेगा घर, 93 लाख रूपये

दुनिया के कई ऐसे देश हैं, जो बेहद खूबसूरत हैं लेकिन यहां जनसंख्या कम होती जा रही है। कई देशों में तो आबादी घटने की वजह से पूरे-पूरे गांव ही खाली हो गए हैं। जापान और इटली में कई गांव ऐसे हैं, जहां लोग रहना ही नहीं चाहते। सारे लोग गांव छोड़कर शहरों की ओर भाग गए हैं, ऐसे में वहां रहने वाला कोई नहीं है। ऐसे में यहां पर लोगों को पैसे देकर बसने के लिए बुलाया जा रहा है।

इटली ही नहीं अमेरिका के भी कुछ ऐसे गांव है, जहां लोगों को सरकार बसने के लिए बुला रही है। सी सिलसिले में नया ऑफर इटली के खूबसूरत पहाड़ी प्रदेश से है, जो अपने यहां बसने के लिए लोगों को बुला रहा है। अगर आप यहां बसते हैं तो रहने के लिए घर और 93 लाख रुपये भी दिए जाएंगे। यहां रहने के लिए शर्तें भी जान लीजिए, जो काफी अहम हैं।एक रिपोर्ट के मुताबिक इटली के उत्तरी प्रांत त्रेनतिनो में ये ऑफर दिया जा रहा है। इसे ऑटोनॉमस प्रोविंस ऑफ ट्रेंटो के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर वीरान पड़े हुए घरों में रहने के लिए अगर कोई आता है, तो

उसे ₹100000 यानि भारतीय मुद्रा में कुल 92,69,800 रुपये दिए जाएंगे। इसका ब्रेकअप देखें तो ग्रांट के तौर पर €80,000 यानि 74,20,880 रुपये घर की मरम्मत के लिए मिलेंगे और बाकी के €20,000 यानि 18,55,220 रुपये घर खरीदने के लिए दिए जाएंगे।

माननी होगी छोटी सी शर्त

वैसे तो ये ऑफर इटली के नागरिकों और उन लोगों के लिए भी है, जो विदेशों में बस गए हैं लेकिन इसके साथ एक शर्त है। जो भी इस डील के लिए आगे आएगा, उसे इस प्रॉपर्टी में कम से कम 10 साल तक रहना होगा। अगर वो इससे पहले यहां से गया तो उसे ग्रांट के सारे पैसे वापस करने पड़ेंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश के 33 गांवों को शामिल किया गया है, जहां पर घर खाली पड़े हुए हैं और रहने वाला कोई नहीं है।

मिल गया 175 साल पुराना पंखा, बिना बिजली के चलता था, ईस्ट इंडिया कंपनी ने बनाया था

गर्मियों का सीजन आ चुका है। देश के कई हिस्सों में मार्च के आखिरी हफ्ते में ही जबरदस्त गर्मी का प्रकोप देखने को मिल रहा है। कई जगहों पर अभी से जेठ-सी गर्मी का अहसास होने लगा है। साल दर साल गर्मी की मार बढ़ती ही जा रही है। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जहां पहले पंखे की हवा से ही लोगों को ठंडक का अहसास हो जाता था वहीं अब बिना एसी के गुजारा नहीं होता है। ऐसे में अपने क्या ये सोचा है कि आज से सैंकड़ों साल पहले लोग गर्मी कैसे झेलते थे? पहले के समय में तो बिजली भी नहीं हुआ करती थी। ऐसे में पुराने समय में राजा-महाराजा को हवा करने के लिए सेवक होते थे जो अपने हाथों से उन्हें पंखा झलते थे। लेकिन हर कोई राजा नहीं होता था। ऐसे में उनके लिए गर्मी से राहत का उपाय लेकर आई थी ईस्ट इंडिया कंपनी। कंपनी द्वारा बनाया गया पंखा सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। उस समय बिना बिजली से इसे चलाए जाने की जो तकनीक इस्तेमाल की गई थी, वो भी जबरदस्त थी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया, जिसे आज से 175 साल पुराना बताया जा रहा है। इसमें चार ब्लेड का एक टेबल फैन नुमा यंत्र नजर आ रहा है। इसे चलाने के लिए बिजली की जगह आग की गर्मी का इस्तेमाल किया जाता था। पंखे के नीचे दी गई जगह में एक ढिबरी को जला दिया जाता था। इसकी गर्मी से फैन के ब्लेड तेजी से घूमने लगते थे और लोगों को बिना बिजली ही हवा मिलने लगती थी। आग से चलने वाला ये पंखा ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा बनाया गया था। इसे 1845 में बनाया गया था। इसमें इस्तेमाल किया गया इंजन आग की गर्मी से चलता था। आग की वजह से सिलिंडर में भरा गैस मोटर को चला देता था और इससे पंखे की ब्लेड चलने लगती थी। हालांकि, इससे काफी तेज आवाज होती थी। लेकिन पंखे को फिर बिजली की आवश्यकता नहीं होती थी।

एमपी में विकास के नाम पर सिर्फ हो रहे घोटाले

कमलनाथ बोले- वार्षिक बजट से भी ज्यादा हो गया राज्य का कर्ज

» पूर्व सीएम का आरोप- सरकार पर कर्ज संकट आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लिए जा रहे कर्ज पर फिर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का कर्ज संकट 'आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया' वाली स्थिति में पहुंच गया है। कर्ज की स्थिति अब सरकार के वार्षिक बजट से भी ज्यादा हो गया है। कमलनाथ ने कहा कि एमपी में विकास के नाम पर सिर्फ घोटाले हो रहे हैं।

दरअसल पूर्व सीएम कमलनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि प्रदेश सरकार ने दो हफ़्ते पहले जो बजट पेश किया वह 4.2 लाख करोड़ रुपये का था, जबकि मंगलवार को सरकार ने 4400 करोड़ रुपये का जो अतिरिक्त लोन लेने की औपचारिकताएं पूरी कीं, उसके बाद प्रदेश सरकार के ऊपर 4.3 लाख करोड़ रुपया से अधिक का कर्ज़ हो गया है। प्रदेश सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 61,400 करोड़ रुपये का कर्ज़ लिया है। प्रदेश को इतने जबरदस्त कर्ज संकट में धकेलने के बावजूद प्रदेश में विकास के नाम पर सिर्फ़ घोटाले हो रहे हैं। इस तरह से लाखों करोड़ रुपये का यह कर्ज़ प्रदेश के विकास में नहीं, बल्कि सत्ताधारी पार्टी और उससे जुड़े लोगों की जेब में भ्रष्टाचार के रूप में जा रहा है।

कर्ज लेने की प्रवृत्ति अब एक महामारी बन गई

पूर्व सीएम कमलनाथ ने उकहा कि 'कर्ज कि इस रकम को कभी मध्य प्रदेश की जनता कार में रखे करोड़ों रुपया और सोने के रूप में देखती है, कभी धान घोटाले के रूप में देखती है, कभी राशन घोटाले के रूप में देखती है, कभी भर्ती घोटाले के रूप में देखती है तो कभी बेरोजगारों की बढ़ती संख्या के रुप में देखती है। प्रदेश में नौकरियां कम हो रहीं, हैं, रोजगार कम हो रहा है, किसानों की आमदनी कम हो रही है, स्कूलों की संख्या कम हो रही है और स्कूलों में छात्रों की संख्या कम हो रही, सरकारी स्कूल कॉलेज में शिक्षकों के पद खाली पड़े है और आवश्यक वस्तुएं लगातार महंगी हो रही हैं, तो फिर आखरि कर्ज की इस रक़म का उपयोग कहां हो रहा है? इस रक़म का उपयोग भ्रष्टाचार और सरकारी इवेंटबाजी में हो रहा है। बड़े बड़े विज्ञापनों और आयोजनों में हो रहा है। कर्ज लेने की प्रवृत्ति अब एक महामारी बन गई है, जिससे मध्य प्रदेश की जनता छुटकारा चाहती है।

हिमाचल बस केंद्र से अपना हक मांग रहा : विक्रमादित्य

» बोले- हिमाचल और दिल्ली को बांटना ठीक नहीं

» सड़कों को लेकर भाजपा व कांग्रेस में तकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि हिमाचल और दिल्ली को बांटना ठीक नहीं है। केंद्र से अपना हक मांगा जा रहा है। यह हमारा अधिकार है। हिमाचल में चरण चार में ढाई सौ आबादी वाली 22 क्षेत्रों को सड़क से जोड़ा जाएगा। विक्रमादित्य सिंह ने यह जानकारी भाजपा विधायक विपिन सिंह परमार की ओर से लाए गए सड़क और पुल संबंधित कटौती पर के जवाब में दी। चर्चा के जवाब के दौरान भाजपा विधायक हंसराज ने हस्तक्षेप किया। इस पर विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि आपको हर चीज में ज्ञान देना शुरू कर देते हैं। इस बीच दोनों के बीच नोकझोंक भी हुई।

उन्होंने कहा कि हिमाचल को बराबर देखा जा रहा है। ऊपर और निचले क्षेत्र में बांटना हमारे डीएनए में नहीं है। ऐसा नहीं है कि विधायकों की डीपीआर मंजूरी के लिए नहीं भेजी गई है। सड़कों के लिए आर्थिक राशि का प्रावधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सड़कों और पुलों के टेंडर प्रकाशन पहले 37 दिन था लेकिन अब इसे घटाकर 12 दिन किया गया है। मुख्यमंत्री सड़क योजना के लिए भी 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य के जवाब के बाद कटौती प्रस्ताव ध्वनिमत से गिर गया।

सड़कों की गुणवत्ता पर ध्यान देने की जरूरत : अनिल शर्मा

भाजपा विधायक अनिल शर्मा ने कहा कि सड़कें हिमाचल की भाग्य रेखा हैं। पहले सरकार के वित्तीय संसाधन नहीं होते थे। अब नाबार्ड, पीएमजीएसवाई एनएचईआई से सड़कों का जाल बिछ रहा है। सदन में गंभीर चर्चा चल रही है लेकिन लोक निर्माण मंत्री सदन में नहीं है। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इस पर संज्ञान लिया जाएगा, आप बोलते रहिए। अनिल शर्मा ने कहा कि अब ऑनलाइन टेंडर किए जा रहे हैं। ठेकेदार बजट से 40 फीसदी कम पर काम ले रहे हैं। इससे भी कार्य में गुणवत्ता नहीं आ रही है।

लोक निर्माण के बजट में 700 करोड़ की कमी : बलवीर

भाजपा विधायक बलवीर वर्मा ने कटौती प्रस्ताव पर अपनी क्षेत्रों की सड़कों का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण के बजट में 700 करोड़ रुपये की कमी की गई है। मंत्री ने नेरवा - बाईपास बनाने की बात कही थी लेकिन अभी तक इसका काम शुरू नहीं हुआ। सैंज के आगे सिंगल रोड है। उन्होंने इसे भी डबल लेन किए जाने की मांग की।

लखनऊ के लिए कमजोर गेंदबाजी बनीं बड़ी समस्या

» एलएसजी के स्टार गेंदबाज आकाश दीप समेत कई गेंदबाज हैं चोटिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद से मुकाबला आज

हैदराबाद। आईपीएल 2025 के सातवें मैच में आज सनराइजर्स हैदराबाद का सामना लखनऊ सुपर जाएंट्स से होगा। यह मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में शाम साढ़े सात बजे से खेला जाएगा। सनराइजर्स ने जिस तरह का खौफ दूसरी टीमों में जगाया है, वैसे में लखनऊ के लिए यह चुनौती आसान नहीं रहने वाली है। लखनऊ के लिए सबसे बड़ी समस्या फिलहाल उनकी कमजोर गेंदबाजी है। लखनऊ के कई स्टार गेंदबाज चोटिल हैं और एनसीए में हैं। हालांकि, आवेश खान की वापसी से जरूर लखनऊ को थोड़ी हिम्मत मिलेगी, लेकिन हैदराबाद को रोकना आसान नहीं होगा।

लखनऊ के पेसर्स आकाश दीप, मोहसिन खान और मयंक यादव चोटिल हैं और फिट होने का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में टीम को प्रिंस यादव, शार्दुल ठाकुर के साथ उतरना पड़ रहा है। हालांकि, दिल्ली के खिलाफ पिछले मैच में ये गेंदबाज 200+ का स्कोर डिफेंड नहीं कर सके थे। आज सामने ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन जैसे विस्फोटक बल्लेबाज होंगे, ऐसे में लखनऊ के गेंदबाजों को सटीक लाइन लेंथ पर गेंदबाजी करनी होगी। एक भी गलती लखनऊ के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

पिछले मैच में स्पिनर रवि बिश्नोई को छोड़कर लखनऊ के गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। उसका तेज गेंदबाजी विभाग कुछ प्रमुख गेंदबाजों के चोटिल होने से कमजोर पड़ गया है और ऐसे में शार्दुल ठाकुर की जिम्मेदारी बढ़ जाती है जिन्हें लखनऊ ने पहले मैच से ठीक पहले मोहसिन खान की जगह अपनी टीम से जोड़ा था। पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स की टीम ने इस सत्र में भी अपने आक्रामक अंदाज बरकरार रखे हैं। लखनऊ के कप्तान पंत पिछले मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे। यही नहीं विकेटकीपिंग में भी उन्होंने गलतियां की थीं।

कोलकाता ने राजस्थान को आठ विकेट से रौंदा

गुवाहाटी। केकेआर ने ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत आरआर को आठ विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल कर ली। बुधवार को गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 151 रन बनाए। जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 17.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर 153 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। कोलकाता ने इस जीत के सात अंक तालिका में छठा स्थान हासिल कर लिया है। उसके खाते में दो अंक और नेट रनरेट -0.308 का हो गया। वहीं, राजस्थान लगातार दो मैचों में शिकस्त के साथ निचले पायदान पर पहुंच गई। सनराइजर्स हैदराबाद दो अंक और 2.200 के नेट रनरेट के साथ शीर्ष पर है।

विक्षिप्त बालिकाओं की तबीयत बिगड़ी, 4 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» प्रशासन व संस्थानों की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

» अस्पताल में 14 बच्चे भर्ती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के निर्वाण संस्थान में रह रहीं मानसिक रूप से विक्षिप्त बालिकाओं की तबीयत अचानक बिगड़ने से हड़कंप मच गया। इस घटना में 4 बालिकाओं की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज लोकबंधु अस्पताल में चल रहा है। उधर इसको लेकर प्रशासन व संस्थानों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ गया है। सूत्रों के अनुसार, निर्वाण संस्थान में रहने वाली 20 बालिकाओं की तबीयत एक साथ खराब हो गई।

इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज किया। इनमें से चार बालिकाओं की स्थिति में सुधार आने के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया, जबकि 14 लड़कियां अभी भी लोकबंधु अस्पताल में भर्ती हैं। इस मामले की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया। पुलिस ने मृतक चार बालिकाओं के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जिससे उनकी मौत के असली कारणों का पता चल सके। इस पूरे मामले को लेकर जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह ने बताया कि निर्वाण संस्थान में कुल 147 मानसिक रूप से विक्षिप्त बालिकाएं रहती थीं।

प्रशासनिक जांच हुई शुरू

इस घटना के बाद प्रशासनिक जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारी इस बात की पड़ताल कर रहे हैं कि क्या भोजन या पानी में किसी तरह की समस्या थी या कोई अन्य कारण जिम्मेदार है। डीपीओ विकास सिंह ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारण का खुलासा हो सकेगा। प्रशासन यह भी देख रहा है कि संस्थान में देखरेख और स्वास्थ्य सुविधाओं में किसी तरह की लापरवाही तो नहीं हुई थी। फिलहाल प्रशासनिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही इस पूरे मामले की सच्चाई सामने आएगी।

बिहार में पानी लूटने के लिए बनाई जा रहीं सड़कें : कन्हैया

» राहुल के अनुयायियों से कोई उम्मीद नहीं : शहजाद पूनावाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने यह आरोप लगाकर बहस छेड़ दी है कि उद्योगपति नई सड़क परियोजनाओं की आड़ में बिहार के जल संसाधनों को निशाना बना रहे हैं। कन्हैया ने दावा किया कि जिस तरह से दुनिया में पानी खत्म हो रहा है, उसी तरह दुनिया के पूंजीपतियों और व्यापारियों की नजर बिहार के पानी पर है। उन्होंने कहा कि भाजपा बिहार में विकास परियोजनाएं लाकर राज्य के जल संसाधनों को लूट रही है।

वहीं कन्हैया कुमार के बयान पर भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि हम उन लोगों से और क्या उम्मीद कर सकते हैं जो राहुल गांधी के अनुयायी हैं? कन्हैया कुमार अपने बयानों से साबित कर रहे हैं कि उनके नेता राहुल गांधी हैं।

योगी के बयान पर तमिलनाडु में घमासान

» डीएमके ने भाजपा पर किया जोरदार हमला

» यह राजनीतिक ब्लैक कॉमेडी का सबसे काला दौर है : स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने परिसीमन और तीन-भाषा नीति पर राज्य के रुख पर टिप्पणी की है। राजनीति में जुबानी जंग तो होती ही आयी है लेकिन एक मर्यादा के साथ। काफी समय से जुबानी मर्यादा को राजनेता शायद भूल गयी है। आय दिन कोई न कोई नेता विवादित बयानबाजी कर ही देता है। अब दो अलग अलग विचारधारा के नेताओं तीखी बयानबाजी के लेकर एक दूसरे पर निशाना साधा है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा, यूपी के सीएम ने तीन-भाषा विवाद और परिसीमन को लेकर स्टालिन की आलोचना की, उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के सीएम क्षेत्र और भाषा के आधार पर विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने परिसीमन और तीन-भाषा नीति पर राज्य के रुख पर टिप्पणी की है। उन्होंने टिप्पणी को राजनीतिक ब्लैक कॉमेडी का सबसे काला दौर बताया। स्टालिन की यह टिप्पणी आदित्यनाथ द्वारा समाचार एजेंसी को दिए गए साक्षात्कार के बाद आई है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि डीएमके नेता क्षेत्र और भाषा के आधार पर विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में तमिलनाडु में हिंदी थोपे जाने के लंबे समय से चले आ रहे विरोध और संसदीय सीटों के परिसीमन की निष्पक्ष प्रक्रिया की मांग का बचाव किया। प्रस्तावित तीन-भाषा नीति और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन को लेकर चल रहे तनाव के बाद यह वाकयुद्ध हुआ है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने साक्षात्कार में कहा, देश को एकजुट करने के बजाय, वे भाषा और क्षेत्र के आधार पर दरारें पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

ऐसी राजनीति राष्ट्र को कमजोर करती है। उन्होंने परिसीमन के बारे में स्टालिन की चिंताओं को भी खारिज कर दिया और इसे राजनीतिक एजेंडा बताया। डीएमके ने लंबे समय से हिंदी को एक प्रमुख राष्ट्रीय भाषा के रूप में बढ़ावा देने के भाजपा के प्रयासों का विरोध किया है, उनका तर्क है कि इससे भारत की भाषाई विविधता को खतरा है।

स्टालिन ने परिसीमन के बारे में भी चिंता व्यक्त की है, जो संभावित रूप से दक्षिणी राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को कम कर सकता है, जिन्होंने जनसंख्या वृद्धि को सफलतापूर्वक प्रबंधित किया है।

योगी हमें नफरत पर व्याख्यान ने दें

उन्होंने कहा कि दो-भाषा नीति और परिसीमन पर राज्य की निष्पक्ष और दृढ़ आवाज पूरे देश में जोर पकड़ रही है, जिससे भाजपा स्पष्ट रूप से असहज हो रही है। उन्होंने लिखा, और अब माननीय योगी आदित्यनाथ हमें नफरत पर व्याख्यान देना चाहते हैं? हमें छोड़ दें। यह विडंबना नहीं है, यह राजनीतिक ब्लैक कॉमेडी का सबसे काला दौर है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी किसी भी भाषा का विरोध नहीं करती है, बल्कि भाषाई थोपने और अंधराष्ट्रवाद का विरोध करती है। स्टालिन ने लिखा, यह वोट के लिए दंगा करने की राजनीति नहीं है। यह सम्मान और न्याय की लड़ाई है।

स्टालिन के समर्थन में कार्ति

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के बयान पर कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा, मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बयान का समर्थन करता हूँ, हम सब सिर्फ़ हिंदी को हम पर थोपने का विरोध कर रहे हैं... मैं उनसे(योगी आदित्यनाथ) पूछना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाला औसत छात्र कितनी भाषाएं जानता है? क्या वे हिंदी, अंग्रेजी और किसी अन्य भाषा में पारंगत हैं? और अगर कोई अन्य भाषा है तो क्या वह दक्षिणी भाषा है।

यशवंत वर्मा मामले में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा कैश विवाद में हाल ही में दिल्ली पुलिस ने तुगलक रोड थाने के एसएचओ समेत अपने आठ अफसरों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं।

एसएचओ उमेश मलिक, जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल रूप चंद, सब इंस्पेक्टर (एसआई) रजनीश और मोटरसाइकिल से मौके पर पहुंचे दो पुलिसकर्मियों और तीन अन्य पीसीआर कर्मियों के फोन विभाग ने जब्त कर लिए हैं। सभी आठ पुलिसकर्मियों के मोबाइल फोन फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं।

जांच इस बात पर केंद्रित है कि आग लगने के समय घटनास्थल पर पहुंचने पर इन अफसरों ने कोई वीडियो रिकॉर्ड किया था या नहीं और इन वीडियो के साथ कोई छेड़छाड़ की गई थी या नहीं।

साथ ही दिल्ली पुलिस ने इन सभी पुलिसकर्मियों के बयान भी दर्ज किए हैं। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिस कमरे में आग लगी थी, उसकी दीवारों में अत्यधिक गर्मी के कारण दरारें पड़ गई हैं।

संसद में फिर हंगामा, सत्ता पक्ष व विपक्ष में टकराव

» सोनिया गांधी पर टिप्पणी मामले में कांग्रेस ने दिया नोटिस

» शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस खारिज

» अखिलेश यादव के बयान पर भाजपा ने मचाया कोहराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण जारी है। संसद सत्र के दौरान काफी हंगामा देखने को मिला । बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल गांधी को संसद में सही आचरण करने की नसीहत दी तो राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा। साथ ही जज के घर से नकदी मिलने का मामला भी खूब गरमाया हुआ है। उधर गुरुवार को सपा मुखिया अखिलेश के गौशाला पर दिये बयान को लेकर भी रार मचा रहा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कांग्रेस द्वारा लाए गए विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव को राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने खारिज कर दिया। कांग्रेस ने अमित शाह द्वारा सोनिया गांधी को लेकर की गई टिप्पणी के खिलाफ यह नोटिस दिया था।

दरअसल मंगलवार को आपदा प्रबंधन विधेयक 2024 पर बहस के जवाब के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि कांग्रेस के शासनकाल में पीएम राहत कोष बनाया गया था और इस सरकार के कार्यकाल के दौरान, पीएम केयर फंड शुरू किया गया। कांग्रेस के शासनकाल में इस फंड पर सिर्फ एक परिवार का नियंत्रण था। विशेषाधिकार हनन का नोटिस राज्य सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के नियम 188 के तहत दिया गया है। नोटिस में कहा गया है कि चर्चा के दौरान भले ही गृह मंत्री ने सोनिया गांधी का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने सोनिया गांधी का उल्लेख किया और प्रधानमंत्री राहत कोष के कामकाज को लेकर आरोप लगाया।

जयराम ने सोनिया गांधी पर आरोप लगाने के लिए शाह के खिलाफ नोटिस पेश किया

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी पर आरोप लगाने के लिए शाह के खिलाफ नोटिस पेश किया। यह विशेषाधिकार हनन का नोटिस राज्य सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के नियम 188 के तहत दिया गया है। नोटिस में कहा गया कि चर्चा के दौरान भले ही गृह मंत्री ने सोनिया गांधी का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने सोनिया गांधी का उल्लेख किया और प्रधानमंत्री राहत कोष (एनपीएमआरएफ) के कामकाज को लेकर आरोप लगाया। कांग्रेस ने गृह मंत्री पर सोनिया गांधी की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप लगाया।

कोई उल्लंघन नहीं : धनखड़

इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि अमित शाह ने आपदा प्रबंधन विधेयक 2024 पर बहस का

जवाब देते हुए कुछ टिप्पणियां करने के बाद अपने बयान को प्रमाणित किया था। गृह मंत्री ने 24 जनवरी 1998 को भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा जारी एक प्रेस बयान का हवाला दिया। इसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पीएमएनआरएफ शुरू करने की घोषणा की थी, जिसे प्रधानमंत्री, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष और कुछ अन्य लोगों की एक समिति द्वारा प्रबंधित किया जाना था। मैंने इसे ध्यान से पढ़ा है। मुझे लगता है कि कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।

तोड़फोड़ में मुस्लिम होते तो देशद्रोह का केस लग जाता : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के उत्तर प्रदेश के आगरा स्थित निवास पर बुधवार (26 मार्च) को तोड़फोड़ हुई। रामजीलाल के राणा सांगा पर दिए गए बयान के कारण करणी सेना ने इस तोड़फोड़ को अंजाम दिया।

सोशल मीडिया पर ऐसी कई तस्वीरें हैं, जिनमें नजर आ रहा है कि करणी सेना जब यह सब कर रही थी तो पुलिसकर्मी चुपचाप खड़े देख रहे थे। इन तस्वीरों पर अब एआईएमआईएम प्रमुक असदुद्दीन ओवैसी का बयान आया है। उन्होंने कहा है कि तोड़फोड़ करने वाले अगर मुस्लिम होते तो देशद्रोह का केस लगा दिया जाता और फौरन बुलडोजर भी चल जाता। ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है, अगर ये तोड़फोड़ करने वाले एम (मुस्लिम) होते तो भाजपा की योगी सरकार की क्या प्रतिक्रिया होती ?

आदिवासियों को भड़का रही भाजपा : कृषि मंत्री शिल्पी

» शनिवार को रांची बंद, विस में सत्ता पक्ष ने भाजपा पर साधा निशाना

» बीजेपी विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के सिरमटोली में फ्लाईओवर रैंप का निर्माण किया जा रहा है। जो आदिवासी समाज के बीच आक्रोश का कारण बन चुका है। दरअसल, जहां फ्लाईओवर के रैंप का निर्माण हो रहा है, वहां आदिवासी समाज का सरना स्थल है।

आदिवासी समाज के द्वारा निर्माण कार्य के विरोध में शनिवार को रांची बंद बुलाया गया है, जिसको लेकर विधानसभा सत्र के दौरान पक्ष-विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप देखा गया। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने भाजपा पर इशारा करते हुए जहां भड़काने का आरोप लगाया तो वहीं भाजपा से गढ़वा विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी ने कहा कि अब आदिवासी समाज का हेमंत सरकार से विश्वास उठ रहा है। फ्लाईओवर रैंप के निर्माण कार्य को लेकर आदिवासी समाज में खासा आक्रोश देखा जा रहा है। आदिवासी समाज द्वारा मांग किया जा रहा है कि फ्लाईओवर के रैंप का निर्माण कार्य बंद कराया जाए। लेकिन अब तक राज्य सरकार की ओर से इस ओर निर्णय नहीं लिया गया। बता दें कि सरहुल पर्व नजदीक है। सिरमटोली सरना स्थल में सभी सरहुल के शोभायात्रा का पहुंचने की परंपरा है। ऐसे में आदिवासी समाज की मांग है कि जल्द इस दिशा में उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। आंदोलन के तहत समस्त आदिवासी संगठनों द्वारा रांची बंद का आह्वान किया गया है।आदिवासी समाज द्वारा बुलाया गया रांची बंद को लेकर सदन में पक्ष-विपक्ष के बीच जमकर बयानबाजी हुई।

अब कामरा ने उड़ाया मोदी और शाह का मजाक

» विपक्ष ने भाजपा की चुप्पी पर सवाल उठाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई के खार में हैबिटेट में अपने हाल ही के स्टैंड-अप सेट में कुणाल कामरा के पीएम व गृहमंत्री पर अभद्र टिप्पणी को लेकर कोहराम मच गया है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर भाजपा की चुप्पी पर सवाल दाग दिया है। बता दें कुणाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का मजाक उड़ाया। उन्होंने संगीत के ज़रिए पीएम मोदी को तानाशाह और दोगला करार दिया।

कामरा ने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करने के लिए फिल्म बादशाह से शाहरुख खान के मशहूर गाने बादशाह ओ बादशाह को

फिर से गाया। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का मज़ाक उड़ाने के लिए कुणाल कामरा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और शिवसेना ने उनके खिलाफ़ धमकियां जारी की हैं। उन्होंने उस जगह पर भी तोड़फोड़ की है जहां कॉमेडियन ने परफ़ॉर्म किया था।

भाजपा शिंदे के बहाने कामरा को निशाना बना रही : दानवे

इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) के नेता अंबादास दानवे ने कहा कि भाजपा कॉमेडियन कुणाल कामरा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधे कटाक्ष करने पर चुप रही, लेकिन उनके पैरोडी गाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें एकनाथ शिंदे का नाम नहीं लिया गया। बजट सत्र के बाद विधानमंडल परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए, महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता दानवे ने कहा, कुणाल कामरा ने अपने शो में सीधे प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना की, और भाजपा ने कोई बुरा नहीं माना। लेकिन वही पार्टी एक पैरोडी गाने पर भड़की, जिसमें शिंदे का नाम भी नहीं था। ऐसा लगता है कि भाजपा कामरा को निशाना बनाने के लिए शिंदे का इस्तेमाल कर रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।